रे मन हरि सुमिरन कर लीजै

रे मन हरि सुमिरन कर लीजै
हरि सुमिरन कर लीजै
हरि सुमिरन कर लीजै

हरिको नाम प्रेमसों जपिये, हरिरस रसना पीजै
हरिगुन गाइय, सुनिय निरंतर, हरि-चरननि चित दीजै

हरि-भगतनकी सरन ग्रहन करि, हरिसँग प्रीति करीजै
हरि-सम हरि जन समुझि मनहिं मन तिनकौ सेवन कीजै

हरि केहि बिधिसों हमसों रीझै, सो ही प्रश्न करीजै
हरि-जन हरिमारग पहिचानै, अनुमति देहिं सो कीजै

हरिहित खाइय, पहिरिय हरिहित, हरिहित करम करीजै
हरि-हित हरि-सन सब जग सेइय, हरिहित मरिये जीजै

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14862/title/re-man-hari-sumiran-kar-lijiye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |